B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : SEC-1

Time: 2 Hours   Full Marks: 40

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् Group-'A' and Group-'B' इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमत: परीक्षार्थिभि: सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्य:। ततश्च यथानिर्देशं प्रश्ना: समाधातव्या:।

এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' এবং Group-'B'-এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-'A'

(Basic Sanskrit)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिपिमाश्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पद*द्वयस्य* वचनं विभक्तिं च निरूपयत।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।

मधुनि, सखा, मात्रा, साधौ।

(b) निम्नलिखितेषु *द्वयो:* द्वितीयाबहुवचने रूपं लिखत।

নিম্নলিখিত শব্দগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি শব্দের দ্বিতীয়া বিভক্তির বহুবচনের রূপ লেখো।

मुनि, नदी, दधि, युष्मद्।

(c) अधस्तनेषु द्वयो: लोटि मध्यमपुरुषद्विवचने रूपं लेखनीयम्।

নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুর লোট্ লকারের মধ্যম পুরুষের দ্বিবচনগত রূপ লেখো।

दृश्, पच्, सेव्, गम्

(d) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु *द्वयो:* पुरुषं वचनं च निर्दिशत।

নিম্নলিখিত ধাতুরূপগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* ধাতু রূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।

पचेत्, शृणु, अभव:, जानीहि।

(e) ब्राह्मीलिपिमाश्रित्य पद*द्वयं* लिख्यताम्।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* পদকে ব্রাহ্মীলিপিতে রূপান্তরিত করে লেখো।

नगरी, यथाविधि, राजपथ:, पाणिपादम्।

(f) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

যোগ্য পদের দ্বারা শূন্যস্থান পূরণ করো।

(i) त्वं किं ________? (करोषि/करोति)

(ii) एते बालका: ________। (पठन्ति/पठाम:)

(g) ब्रह्मदत्त: कुत्र प्रतिवसति स्म? स: कथं ग्रामान्तरं प्रस्थित:?
ব্রহ্মদত্ত কোথায় বাস করত? সে কেন গ্রামান্তরে প্রস্থান করেছিল?

(h) ब्रह्मदत्त: कुत्र प्रसुप्त: अभवत्? प्रबुद्ध: सन् स: किम् अपश्यत्?
ব্রহ্মদত্ত কোথায় ঘুমিয়েছিলেন? জাগরণের পর তিনি কী দেখেছিলেন?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्।
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। 5×2=10

(a) निम्नलिखितेषु *पञ्च*पदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে *পাঁচটি* পদ ব্যবহার করে সংস্কৃত ভাষায় বাক্যগঠন করো।
कलमेन, मया, फलानि, सभायाम्, पचति, अपठत्, गमिष्यामि।

(b) *पञ्चानां* वाक्यानां संशोधनं कुरुत।
যে কোনো পাঁচটি বাক্য সংশোধন করে লেখো।
(i) नरपत्यु: आदेश: पालनीय:।
(ii) चत्वार: बालिका: नृत्यन्ति।
(iii) मे मित्र: आगच्छति।
(iv) राजा न्यायेन प्रजान् शास्ति।
(v) वर्षायां मार्ग: पिच्छिल: भवति।
(vi) रामचन्द्र: पितास्य आदेशेन वनं गत:।
(vii) अष्यानि फलानि आनय।

(c) मातृभाषया अनुवादो विधेय:।
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো :
मन्त्रे तीर्थे द्विजे दैवे दैवज्ञे भेषजे गुरौ।
यादृशी भावना यस्य सिद्धिर्भवति तादृशी।।

(d) ब्राह्मीलिप्यां नासिक्यवर्णा: लेख्या:।
নাসিক্যবর্ণগুলি ব্রাহ্মীলিপিতে লেখো।

3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।
নির্দেশ অনুসারে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও : 10×2=20

(a) मातृभाषया अनुवादो विधेय:।
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।
एकस्मिन् वने एक: सिंह: वसति। स: प्रतिदिनं बहून् पशून् हन्ति। एकदा पशूनां सम्मेलनम् अभवत्। सर्वे पशव: सिंहात् रक्षणस्य उपायम् अचिन्तयन्। अन्ते शशक: उपायम् उक्तवान्।

(b) संस्कृतभाषया अनुवाद: करणीय:।
সংস্কৃতভাষায় অনুবাদ করো।
আমাদের দেশের নাম ভারতবর্ষ। এই দেশের ঐতিহ্য ও সংস্কৃতি অত্যন্ত সমৃদ্ধ ও প্রাচীন। সংস্কৃত ভাষা এই দেশের সংস্কৃতির জীবনীশক্তি। ঋগ্বেদ বিশ্বসাহিত্যের প্রাচীনতম গ্রন্থ। আমি ভারতীয় হিসাবে গর্ব অনুভব করি।

(c) अधोलिखितानां ब्राह्मीलिप्यां परिवर्तनं विधेयम्।
নিম্নলিখিত বাক্যগুলিকে ব্রাহ্মীলিপিতে পরিবর্তিত করো।
(i) तानि मधुराणि फलानि।
(ii) सदा सत्यं वद।
(iii) बालक: विद्यालयं गच्छति।
(iv) अलस: दु:खं लभते।
(v) भ्रमरा: पुष्पेभ्य: मधु पिबन्ति।

(d) 'सर्पव्यापादनाद् रक्षित:'– अत्र क: सर्पव्यापादनात् कथं वा रक्षित:? इति पठितकथानकमनुसृत्य प्रतिपाद्यताम्।
'सर्पव्यापादनाद् रक्षित:'— এখানে কে সর্পদংশন থেকে কীভাবে রক্ষা পেয়েছিল তা পঠিত কথানকের অনুসরণে বর্ণনা করো।

Group-'B'

(Ethical and Moral Issues)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिप्यां सरलया सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) को नाम हिरण्यक:? स कुत्र प्रतिवसति स्म?
হিরণ্যক কে? সে কোথায় বাস করত?

(b) शृगालस्य नाम किमासीत्? स कथं त्रस्तहृदय: अभवत्?
শৃগালের নাম কী ছিল? সে কেন ভয় করেছিল?

(c) 'सखे! अस्माकं प्राक्तनजन्मकर्मण: फलमेतत्'– कं प्रति कस्योक्तिरियम्? तत् फलं किमासीत्?
'सखे! अस्माकं प्राक्तनजन्मकर्मण: फलमेतत्'— কে কাকে একথা বলেছে? ওই ফলটি কী ছিল?

(d) राजदेवयो: पार्थक्यं निरूप्यताम्।
রাজা ও দেবতার মধ্যে কী পার্থক্য?

(e) केषु विश्वासो न कर्तव्य:?
কাদের বিশ্বাস করা উচিত নয়?

(f) कल्याणकामिना पुरुषेण के दोषा: हातव्या:?
কল্যাণকামী পুরুষের কোন দোষগুলি ত্যাগ করা উচিত?

(g) पथिक: केन प्रकारेण प्राणान् तत्याज?
পথিক কীভাবে প্রাণ ত্যাগ করেছিল?

(h) दुन्दुभिं निकषा गत्वा शृगाल: किमचिन्तयत्?
দামামার নিকট গিয়ে শৃগাল কী চিন্তা করেছিল?

2. अधोलिखितेषु *द्वयो:* प्रश्नयो: समाधानं कर्तव्यम्। 5×2=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) मातृभाषया अनुवादो विधेय:।
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

तदत्र सरसि स्नात्वा सुवर्णकङ्कणं गृहाण। ततो यावदसौ तद्वच: प्रतीतो लोभात् सर: स्नातुं प्रविशति तावन्महापङ्के निमग्न: पलायितुमक्षम:। पङ्के पतितं दृष्ट्वा व्याघ्रोऽवदत् — अहह, महापङ्के पतितोऽसि। अतरत्त्वमहमुत्थापयामि।

अथवा,

पर्य्यन्तो लभ्यते भूमे: समुद्रस्य गिरेरपि।
न कथञ्चिन्महीपस्य चित्तान्त: केनचित् क्वचित्।।

(b) कस्यचिदेकस्य सरलसंस्कृतेन व्याख्या कार्या।

যে কোনো একটির সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

अल्पानामपि वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका।

तृणैर्गुणत्वमापन्नैर्बध्यन्ते मत्तदन्तिनः।।

अथवा,

न तच्छस्त्रैर्न नागेन्द्रैर्न हयैर्न पदातिभिः।

कार्य्यं संसिद्धिमभ्येति यथा बुद्ध्या प्रसाधितम्।।

(c) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरणीयानि।

উপযুক্ত পদ দিয়ে শূন্যস্থান পূরণ করো।

(मनुना, परार्थे, भद्राणि, ललाटे, पुण्यवान्)

(i) न संशयमनारुह्य नरो ________ पश्यति।

(ii) यस्य मित्रेण संलापस्ततो नास्तीह ________ ।

(iii) सर्वदेवमयो राजा ________ सम्प्रकीर्तितः।

(iv) धनानि जीवितञ्चैव ________ प्राज्ञ उत्सृजेत्।

(v) लिखितमिह ________ प्रोज्झितुं कः समर्थः।

(d) 'पिङ्गलक आह सभयम् – सत्यं ज्ञातं मयाधुना' — इत्यत्र किं सत्यं पिङ्गलकेन ज्ञातम् इति यथा ग्रन्थमालोचयत।

'पिङ्गलक आह सभयम् – सत्यं ज्ञातं मयाधुना' — এখানে কোন সত্য পিঙ্গলকের দ্বারা জ্ঞাত হয়েছে তা গ্রন্থানুসরণে আলোচনা করো।

3. यथानिर्देशं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(a) 'पिङ्गलक आह–यद्येवं तर्ह्यमात्यपदेऽध्यारोपितस्त्वम्'- इत्यत्र कः अमात्यपदे अध्यारोपितः? कथं सः श्रेष्ठः अमात्यः अभवत्? इति शृगालदुन्दुभिकथामुररीकृत्य विशदयत। 2+8=10

'पिङ्गलक आह–यद्येवं तर्ह्यमात्यपदेऽध्यारोपितस्त्वम्' — এখানে কে অমাত্য পদে নিয়োজিত হয়েছিল? কীভাবে সে শ্রেষ্ঠ অমাত্য হয়েছিল তা 'শৃগালদুন্দুভিকথা'র অনুসরণে বিস্তারিত আলোচনা করো।

(b) पाठ्यांशमनुसृत्य हितोपदेशस्य रचनाशैलीं प्रतिपादयत। 10

পাঠ্যাংশ অনুসরণে হিতোপদেশের রচনাশৈলী আলোচনা করো।

(c) पठितकथामनुसृत्य चित्रग्रीवस्य आश्रितवात्सल्यं प्रतिपाद्य 'त्रैलोक्यस्यापि प्रभुत्वं त्वयि युज्यते' — इत्युक्तेः सार्थकतां निरूपयत। 2+8=10

পঠিত কথার অনুসরণে চিত্রগ্রীবের আশ্রিতদের প্রতি বাৎসল্য প্রতিপাদন করে 'त्रैलोक्यस्यापि प्रभुत्वं त्वयि युज्यते' — এই উক্তির সার্থকতা বিচার করো।

(d) 'तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र मारात्मके विश्वासः कृतः' — इत्यत्र 'मारात्मकः' कः? केन मारात्मके विश्वासः कृतः? कथं मारात्मकेन विश्वासः समुत्पादितः? विश्वासस्य फलं किमभवत्? 2+8=10

'तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र मारात्मके विश्वासः कृतः' — এখানে 'मारात्मकः' কে? কে 'मारात्मकः'-কে বিশ্বাস করেছিল? 'मारात्मकः' কীভাবে বিশ্বাস উৎপাদন করেছিল? বিশ্বাসের ফল কী হয়েছিল?

———————